



## DICGC द्वारा वाणज्यिक बैंकों से अधिक शुल्क वसूली

### प्रलिस के लिये:

[डिपोजिट इश्योरेंस](#), डिपोजिट इश्योरेंस की सीमा और कवरेज, [DICGC](#)

### मेन्स के लिये:

डिपोजिट इश्योरेंस का महत्त्व एवं [डिपोजिट इश्योरेंस और ऋण गारंटी नगिम \(DICGC\)](#) की आवश्यकता

[स्रोत: लाइव मटि](#)

## चर्चा में क्यों ?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) की सहायक कंपनी डिपोजिट इश्योरेंस एंड करेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (DICGC) अपने प्रीमियम ढाँचे के लिये जाँच के दायरे में है, जो वाणज्यिक बैंकों से अधिक शुल्क वसूलती है, जबकि सहकारी बैंकों को अनुपातहीन रूप से लाभ पहुँचाती है।

- इससे वर्तमान प्रणाली की नषिपक्षता और दक्षता के बारे में चर्चाएँ उत्पन्न होती हैं, जिससे वभिन्न बैंकिंग संस्थानों केरसिक प्रोफाइल के आधार पर प्रीमियम के पुनर्मूल्यांकन की मांग उठती है।

## वाणज्यिक बैंकों से डिपोजिट इश्योरेंस के लिये अधिक शुल्क कैसे वसूला जा रहा है?

- अनुपातहीन प्रीमियम बोझ:** DICGC वाणज्यिक बैंकों से 94% प्रीमियम एकत्र करता है, जो नविल दावों (net claims) का 1.3% है, जबकि सहकारी बैंक प्रीमियम का 6% योगदान देते हैं और नविल दावों का 98.7% दावा करते हैं।
  - वर्ष 1962 से वाणज्यिक बैंकों ने 295.85 करोड़ रुपए के सकल दावे दायर किये हैं, जिसमें कुल नविल दावे 138.31 करोड़ रुपए हैं।
    - इसके वपिरीत सहकारी बैंकों ने 14,735.25 करोड़ रुपए के सकल दावे दायर किये हैं, जिसमें नविल दावे 10,133 करोड़ रुपए हैं।
  - इसका अर्थ है कि अचछी तरह से प्रबंधित वाणज्यिक बैंक सहकारी बैंकों से जुड़े उच्च जोखिमों को प्रभावी ढंग से सक्सडि दे रहे हैं, जिसके लिये दावों के एक महत्त्वपूर्ण हसिसे की आवश्यकता होती है।
- वाणज्यिक बैंकों से अधिक शुल्क वसूलने के नहितारथ:**
  - उच्च अनुपालन लागत:** वाणज्यिक बैंकों को जोखिम प्रोफाइल की परवाह किये बनिा प्रती 100 रुपए बीमाकृत 12 पैसे कीमानक प्रीमियम दर के कारण उच्च अनुपालन लागत का सामना करना पड़ता है। यह बैंकों की परचालन दक्षता और लाभप्रदता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जिससे अंततः ऋण प्रदान करने एवं उपभोक्ताओं को सफलतापूर्वक सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता प्रभावति होती है।
  - असमान जोखिम मूल्यांकन:** वाणज्यिक बैंक, जनिका जोखिम प्रोफाइल आम तौर पर कम होता है, उन्हें उच्च प्रीमियम के माध्यम से दंडति कया जाता है, जो जोखिम मूल्यांकन के सदिधांतों को कमज़ोर करता है, जिसि बीमा मूल्य नरिधारण का मार्गदर्शन करना चाहिए।
  - वत्तीय स्थरिता पर प्रभाव:** उच्च प्रीमियम वाणज्यिक बैंकों के लिये वत्तीय स्थरिता को कम कर सकता है, क्योंकि उन्हें इन लागतों को जमाकर्ताओं और उधारकर्ताओं पर डालना पड़ सकता है।
    - इसके परणामस्वरूप ऋणों के लिये उच्च ब्याज दरें और जमाकर्ताओं के लिये कम रटिर्न हो सकता है, जिससे समग्र बैंकिंग पारस्थितिकि तंत्र प्रभावति होता है।
  - खराब प्रबंधन पद्धतियों को प्रोत्साहन:** सहकारी बैंकों की वफिलताओं से जुडी लागतों को वाणज्यिक बैंकों को वहन करने की आवश्यकता होने से, वर्तमान संरचना अनजाने में सहकारी बैंकों के भीतर खराब प्रबंधन पद्धतियों को प्रोत्साहति कर सकती है, क्योंकि चूक के परणाम अधिक स्थरि संस्थानों पर स्थानांतरति हो जाते हैं।

## DICGC के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?



प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा/से संस्थान अनुदान/प्रत्यक्ष ऋण सहायता प्रदान करता/करते है/हैं? (2013)

1. कषेत्रीय ग्रामीण बैंक
2. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
3. भूमा विकास बैंक

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: C

प्रश्न. यदि भारतीय रज़िर्व बैंक एक वसितारवादी मौद्रिक नीति अपनाने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता अनुपात में कटौती और अनुकूलन
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर में बढ़ोतरी
3. बैंक रेट और रेपो रेट में कटौती

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

**??????:**

प्रश्न. बैंक खाते से वंचित लोगों को संस्थागत वित्त के दायरे में लाने के लिये प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) आवश्यक है। क्या आप भारतीय समाज के गरीब वर्ग के वित्तीय समावेशन के लिये इससे सहमत हैं? अपने मत की पुष्टि के लिये उचित तर्क दीजिये। (2016)